BHARATHI COLLEGE OF EDUCATION

AN ABODE OF EDUCATION

KANDRI, MANDAR, RANCHI

B.Ed

SESSION : 2018 -20

TOUR REPORT

Nainital

Kausani

Jim Corbett

Guided by

Asst Pro. RAKESH KUMAR RAI
Asst Pro. VIVEK JAISWAL
Asst Pro. BINITA CHOUDHARY
Asst Pro. RIBHA KUMARI

Submitted by

Name : VINITA KUJUR
Roll No. : 47
Session : 2018-20
Date :

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

RANCHI UNIVERSITY, RANCHI

RANCHI UNIVERSITY, RANCHI

प्रमाण – पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **बिनीता कुजूर, क्रमांक 47 राँची विश्वविद्यालय राँची** द्वारा मान्यता प्राप्त **भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन कन्दरी माण्डर राँची** के **बी0एड0** कोर्स के सत्र 2018–20 के छात्रा हैं। इन्होंने भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन कन्दरी माण्डर राँची द्वारा आयोजित शैक्षनिक भ्रमण के अन्तर्गत नैनीताल, कौसानी, कॉर्बेट की यात्रा में सहर्ष भाग लिया तथा शैक्षनिक भ्रमण पर यह रिर्पोट तैयार किया।

इस अवधि में इनका कार्य सहयोगात्मक एंव सराहनीय रहा।

प्रभारी प्रचार्य
भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन
कन्दरी, माण्डर, राँची

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

RANCHI UNIVERSITY, RANCHI

RANCHI UNIVERSITY, RANCHI

आभार ज्ञापन

शिक्षा मुख्य रूप से द्विपक्षीय प्रक्रिया है, जिसमें सीखना एवं सिखाना महत्वपूर्ण है।

बी0 एड0 कार्यक्रम को पूर्ण करने में समस्त व्याख्यातागण का सहयोग रहा इसमें हमें शैक्षणिक भ्रमण हेतु नैनीताल,कौसानी तथा कॉर्बेट से जुड़ी हुई जानकारी प्राप्त हुई।

मैं सक्रिय कार्य के लिए सबसे पहले महाविद्यालय के शैक्षणिक सचिव दीपाली परासर प्रभारी प्रचार्य राकेश कुमार राय एवं व्याख्याता विवेक जयसवाल, बिनीता चौधरी, रिभा कुमारी का आभार व्यक्त करती हूँ जिनके निर्देश के अनुसार सक्रिय कार्य पूर्ण किया गया।

धन्यवाद!

नाम – बिनिता कुजूर
रोल न0 – 47
सत्र – बी0 एड0
2018 – 2020

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

विषय सूची

S.N.	TOPIC	
1	आभार ज्ञापन	
2	प्रस्तावना	1
3	शैक्षिक परिभ्रमण के उद्देश्य	2
4	शैक्षिक परिभ्रमण के महत्व	3
5	यात्रा का पहला दिन	4-5
6	यात्रा का दुसरा दिन	6-7
7	यात्रा का तीसरा दिन	8-9
8	यात्रा का चौथा दिन	10
9	यात्रा का पाँचवा दिन	11-13
10	यात्रा का छवा दिन	14-15
11	यात्रा का सातवां दिन	16-17
12	यात्रा का आठवाँ दिन	18
13	निष्कर्ष	19

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

समय सारणी

दिनांक	स्थान	समय
1-3-2019	राँची रेलवे स्टेशन	2:30 P
2-3-2019	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन	1:50 P
2-3-2019	इन्द्र प्रस्थ पार्क	3:00 P
3-3-2019	नैनीताल	6:00 A
3-3-2019	नैनी झील	5:15 P
4-3-2019	भीमताल झील	10:42 A
4-3-2019	कौसानी	7:50 P
5-3-2019	धानी खेत	12:55 P
5-3-2019	कॉर्बेट	7:30 P
6-3-2019	कॉर्बेट नेशनल पार्क	6:00 A
7-3-2019	कुतुबमीनार	9:00 A
7-3-2019	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन	2:30 P
8-3-2019	राँची रेलवे स्टेशन	11:50 A

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

प्रस्तावना

शिक्षा के क्षेत्र में परिभ्रमण का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। भ्रमण के प्रत्यक्ष अनुभव से विस्तृत शिक्षा का विकास होता है।

परिभ्रमण के बिना कोई भी शिक्षा अधूरी ही लगती है, इसलिए आज तक जितने भी शिक्षाविद् हुई या हुए है उन्होंने भ्रमण द्वारा विषय की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी है।

प्राचीन काल से ही मनुष्य भ्रमण पर्यवेक्षण अन्वेषण एवं कल्पनाओं के अनुसार शिक्षा का प्रारुप तैयार किया है।

इस बात को ध्यान में रखकर बी॰ एड॰ प्रशिक्षणार्थियों के लिए परिभ्रमण को एक आवश्यक विषय के रुप में अनिवार्य समझा गया और इसके लिए कार्य योजना भी तैयार की गई।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शैक्षिक परिभ्रमण के उद्देश्य

शैक्षिक परिभ्रमण विद्यार्थियों के लिए शिक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके कुछ उद्देश्य निम्नलिखित है:-

1. विद्यार्थियो में ज्ञान प्राप्त करने की भावना को जागृत करता है।
2. विद्यार्थियो को प्रत्येक क्षेत्र की सभ्यता एवं संस्कृति से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियो में नेतृत्व एवं अनुशासन की भावना का विकास करना।
4. विद्यार्थियो में आपसी सहयोग एवं भाईचारे की भावना को उत्पन्न कराना।
5. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के विषयों के अलावा उनका मनोरंजन कराना।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शैक्षिक परिभ्रमण का महत्व

शिक्षा के उद्देश्य की संपूर्णता हेतु शैक्षणिक परिभ्रमण का विशेष महत्व है। इसके अलावा सैधांतिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक शिक्षा भी शिक्षा के उद्देश्यों को पूर्ण करता है जो परिभ्रमण के द्वारा ही संभव हो सकता है।

परिभ्रमण के साथ-साथ विद्यार्थियों को मनोरंजन के स्वच्छ वातावरण में ज्ञान अर्जित करने का अवसर प्राप्त होता है। अतः परिभ्रमण द्वारा विद्यार्थी विभिन्न स्थानों की भौगोलिक जलवायु, स्थिति, वातावरण तथा वहाँ की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आदि सभी चीजों से संबंधित ज्ञान अर्जन करते हैं।

शैक्षणिक परिभ्रमण के द्वारा विद्यार्थियों में सीखने की प्रवृति का विकास होता है साथ में पढ़ाई में मन लगता है एवं किसी भी चीजों को सीखने की रुचि बनी रहती है। इन्ही कारणों से विद्यार्थी की शिक्षा में शैक्षिक परिभ्रमण का विशेष महत्व है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Attested

यात्रा वृतांत

01/03/19

Day - 1

दिनांक 01/03/19 को हम सभी भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के B.Ed प्रशिक्षु छात्र एवं शिक्षक पूर्व निर्धारित समय के अनुसार 2 बजकर 30 मिनट पर राँची रेलवे स्टेशन के परिसर में एकत्रित हुए।

कुछ समय पश्चात हम सभी छात्र एवं सभी शिक्षक तैयार होकर फोटोग्राफी का कार्य पूरा किया। इसके बाद सभी छात्रों को बोगी न॰ एवं सीट न॰ की जानकारी प्रदान की गई।

फिर हमारी रेलगाड़ी गरीब रथ का आगमन हुआ। हम सभी छात्र पूर्व निर्धारित सीट न॰ की तलाश कर अपने - अपने जगह पर बैठ गए एवं सामानों को सुरक्षित स्थान पर रख लिया।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

संध्या 4 बजकर 40 मिनट पर हमारी रेलगाड़ी राँची से दिल्ली के लिए रवाना हुई।

राँची से रेलगाड़ी खुलने के पश्चात सभी छात्र अपने-अपने मित्रों के साथ बातें करने लगे। सभी छात्र यात्रा को ध्यान में रखकर बहुत ही उत्साहित थे। सभी छात्र यात्रा के दौरान खूब मस्ती करने लगे।

रात्रि 9:00 बजे हमारे बीच रात्रिभोजन का वितरण किया गया। सभी छात्र एवं छात्राएँ भोजन का आनंद उठाया फिर तुरंत अपने मनोरंजन में जुट गए। रात के 10:00 बजे सभी छात्र अपने-अपने निर्धारित सीट पर चले गए।

Principal

Day - 2 2/3/19

पूरी रात लंबी सफर के उपरांत हम सबकी नींद सुबह खुली। सभी ने स्वयं को तरोताजा किया और मुँह धोने के बाद चाय का मजा लिया। कुछ समय में सभी के लिए नास्ते का प्रबंध किया गया।

नास्ता के उपरांत सभी रात की सफर के बारे में बातचीत में व्यस्त हो गए। अंततः हम सभी दिन के लगभग 1 बजे दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुँच गए। स्टेशन पर उतरने के बाद सभी लोग एक स्थान पर एकत्रित हुए एवं शिक्षकों की मदद से स्टेशन के बाहर निकले और सभी छात्र-छात्राओं की गिनती हुई।

गिनती के पश्चात शिक्षकों ने हमें बस के पास ले गए जहाँ पहले से ही तीन बस हमारा इंतजार कर रही थी। सभी छात्रों को गिनती से

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

तीनों बसों में विभाजित किया गया। सभी छात्र-छात्राए और शिक्षक अपने-अपने बसों मे बैठ गए। स्टेशन से निकलने के बाद बस लगभग 3:00 बजे इंद्रप्रस्त नामक पार्क पर रुकी जहाँ सभी लोगों को खाना खिलाया गया। खाना खाने के बाद सभी छात्र शांति स्तूप के साथ फोटो खींचवाने लगे और पार्क में लगे फूलों के साथ समय बीताए।

लगभग 5:00 बजे सभी लोगों को बस में बैठने का आदेश मिला। बस वहाँ से नैनीताल के लिए रवाना हुई। सभी छात्र-छात्राए बस में सफर का आनंद उठाने लगे और नाच-गाने का सिलसिला शुरु हो गया।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Principal

Day - 3 03/03/19

दिनांक 3/3/19 को सुबह 6:00 बजे हम सभी नैनीताल पहुँचे। नैनीताल पहुँचने के बाद हमलोगों को सुमन पैराडाइज़ नामक होटल में ठहराया गया। सभी लोग अपने-अपने रूम में जाकर तैयार होकर 9:00 बजे नाश्ता किया और नैनीताल दर्शन के लिए निकल पड़े।

सबसे पहले हमलोग इको केव पार्क गये जहाँ विभिन्न प्रकार की गुफाएं थी जो प्राकृतिक थी। वे प्राचीन काल से ही ऐसे ही थे।

पार्क घुमने के पश्चात हमलोग लवर्स प्वाइंट गए जिसका नजारा अत्यंत ही मनोरम था। वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य ने हम सबका दिल छू लिया।

इसके तुरंत बाद हम सभी छात्र-छात्राएं स्नो-व्यू प्वाइंट गए जहाँ से हिमालय दर्शन किया जा सकता था

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

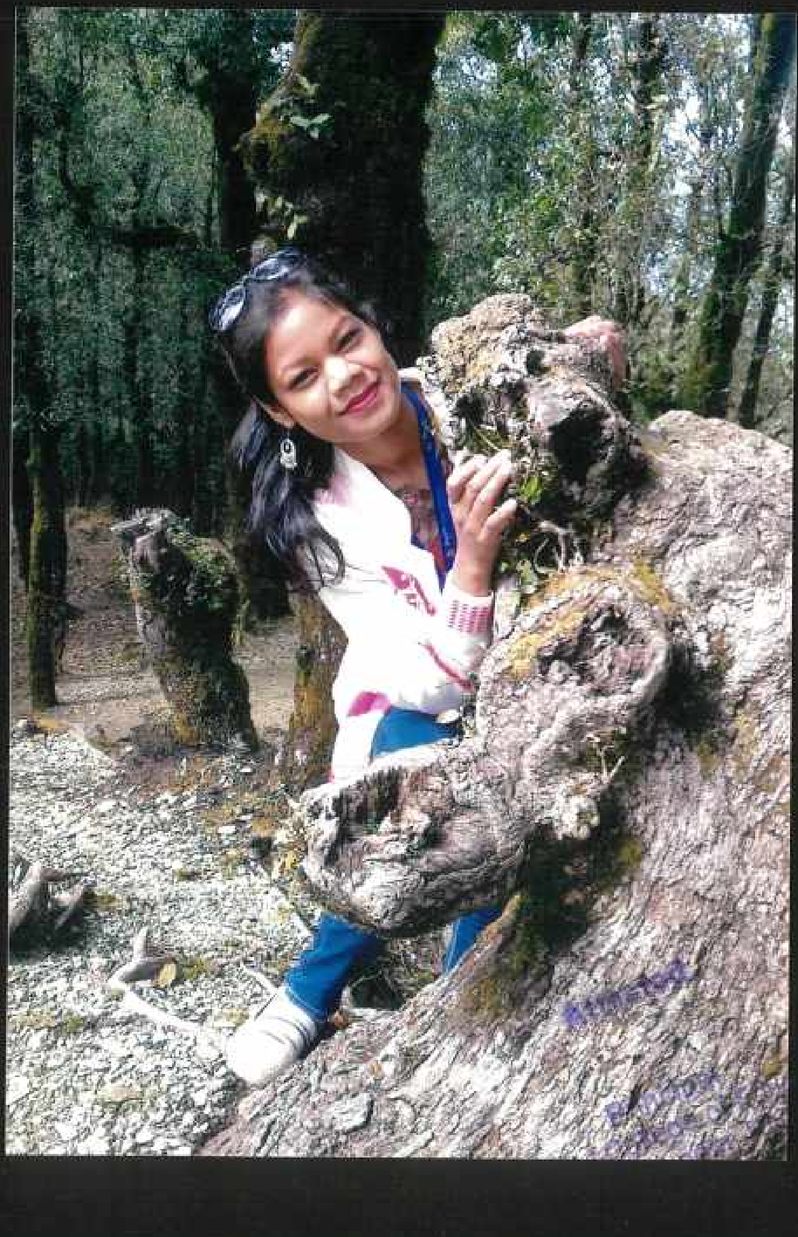

स्नो व्यू प्वाइंट समुद्र की सतह से 2270 किमी की ऊँचाई पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह नैनीताल शहर से 2.5 किमी की दूरी पर स्थित है। यह शेर-का डंडा रिज के शीर्ष पर स्थित है।

स्नो व्यू प्वाइंट का आनन्द उठाने के पश्चात हमसभी छात्र और शिक्षकगण अपनी-अपनी गाड़ियों मे बैठकर वापस होटल गए और वहाँ दोपहर का भोजन ग्रहण किया फिर शाम करीब 4 बजे के लगभग पैदल मार्च करते हुए नैनीझील के दर्शन को निकल पड़े। नैनीझील प्राकृतिक ताजे पानी का झील है। इसकी अधिकतम लम्बाई 1,432 मीटर तथा चौड़ाई 457 मीटर है। और गहराई 27.3 मीटर है। नैनीझील में सभी छात्र-छात्राओं ने नौकायन का लुफ्त उठाया और फोटो भी खींचवाये। झील के किनारे बहुत सी दुकाने और विक्रय केन्द्र थे जहाँ बहुत भीड़भाड़ थी। झील का मजा लेने के पश्चात सभी छात्र-छात्राएं खरीदारी करते हुए वापस होटल आ गए।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Attested

Day - 4 4/3/19

दिनांक 4/3/19 को सुबह 7 बजे तैयार होकर सभी ने नास्ता किया, अटेंडेन्स बनवाया और फिर अपने-अपने सामान के साथ लगभग 9:45 में बस पर सवार होकर कौसानी के लिए निकल गए।

रास्ते में हमलोगों ने भीमताल झील का आनंद उठाया, वहाँ घूमे, शॉपिंग किए। वहाँ से लकड़ी के सामान खरीदे। शिव मंदिर के दर्शन किए फिर हमारी बस कौसानी की ओर चल पड़ी। दोपहर का भोजन रास्ते में एक ढ़ाबा रूककर एक होटल मे किया। खाने के बाद लगभग 2 बजे फिर से बस में बैठकर कौसानी जाने के लिए निकल गए।

शाम 7:30 बजे हमलोग सुमन नेचर रिसार्ट पहुँचे। सभी अपने-अपने रूम गए 8:30 में रात का खाना खाया और थकावट के कारण सभी लोग सो गए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Day - 5 5/3/19

दिनांक 5/3/19 को सुबह उठकर फ्रेश हुए उसके पश्चात सभी तैयार होकर 7 बजे गाँधी आश्रम के लिए निकल गए। वहाँ जाने पर हमसभी को गाँधी जी के बारे अनेक जानकारी प्राप्त हुआ।

वर्ष 1929 ई० में जब बापू जी भारत दौरे पर निकले थे तब अपनी थकान मिटाने के लिए यहाँ चाय बागान के मालिक के अतिथि गृह में रुके थे। यहाँ आने के बाद हिममंडित पर्वतमालाओं को देखकर इतना मुग्ध हो गए कि वे दो दिनों के बजाय 14 दिनों तक यहाँ रुके रहे। अपने प्रवास के दौरान उन्होने गीता पर आधारित अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'अनासक्ति योग' की रचना का प्रारंभिक चरण पूरा कर डाला। बाद में उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय 'सुचेता कृपलानी' ने गाँधी जी की स्मृति को तरोताजा रखने के लिए 'उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि को प्रदान कर दिया।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

D&C

गाँधी जी ने कसौनी को 'भारत का स्विट्जरलैंड कहा था। यहाँ से हिमालय का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है।

गाँधी आश्रम हमारे होटल सुमन नेचर रिसार्ट से 400 m की दूरी पर था। वहाँ से हमने हिमालय पर्वत का आनन्द लिया। पुनः 8:00 बजे होटल वापस आकर सभी छात्र-छात्राओं एवं व्याख्यातागणों ने नाश्ता किया। इसके पश्चात सभी लोग लगभग 10:30 am को अपने सामानों के साथ जीम कॉर्बेट के लिए निकल गए।

रास्ते में हमलोगों ने रानीखेत की सौन्दर्य का आनन्द लिया। कहा जाता है कि 1869 में ब्रिटिश सरकार ने कुमाऊं रेजिमेंट के मुख्यालय की स्थापना रानीखेत में की और भारतीय गर्मियों से बचने के लिए हिल स्टेशन के रूप में इस नगर का प्रयोग किया जाने लगा। रानीखेत की जनसंख्या घनत्व - 18,886 (2011 के अनुसार)। इसका क्षेत्रफल 21.76 कि.मी², ऊँचाई 1869 मीटर है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Attested
Principal
of Education

Day - 6 6/3/19

दिनांक 6/3/19 की सुबह 5:30 बजे हमसभी जंगल सफारी के लिए निकल गए। जहाँ हमे 6 लोगों के ग्रुप में बाँटा गया था। जंगल सफारी के दौरान हमने जानवरो को देखा और उनके बारे में जानने का मौका मिला।

हमारे गाईड जिनका नाम जीवन पाण्डे था, उन्होंने हमे बहुत सी बातों को बताया। वहाँ के जानवरों के बारे में, वहाँ के पेड़-पौधों के नाम बताया, उनका उपयोग बताया। गाईड ने बताया कि जिम कॉर्बेट का पूरा नाम जेम्स एडवर्ड कार्बेट था। जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय पार्क है और 1936 में लुप्तप्राय बंगाल बाघ की रक्षा के लिए हैली नेशनल पार्क के रूप में स्थापित किया गया था। यह उत्तराखण्ड के नैनीताल जिले में स्थित है। इसका नाम जिम कॉर्बेट के

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

नाम पर रखा गया था जिन्होंने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बाघ परियोजना के अंतर्गत यह पहला पार्क है। यह रामगंगा की पातलीदून घाटी में 1318.54 वर्ग किलोमीटर में बसा हुआ है जिसके अंतर्गत 821.99 वर्ग किलोमीटर का जिम कॉर्बेट व्याघ्र संरक्षित क्षेत्र भी आता है।

जंगल सफारी का भरपुर आनन्द लेने के पश्चात हमसभी लोग वापस होटल जाकर नास्ता किया। फिर लगभग 11 बजे अपने सामानों के साथ अपने-अपने बस पर सवार होकर दिल्ली के लिए निकल गए। सभी छात्राओं ने बस में नाचते गाते सफर को रोमांचित बना दिया। इसी नाच-गाने के बीच हमसभी लगभग 10:00 PM को दिल्ली पहुँच गए। वहाँ रात का खाना खाया और हमें एक होटल में ठहराया गया।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

Day - 7 7/3/19

दिनांक 7/3/19 की सुबह 7 बजे हमसभी तैयार होकर नीचे गए। अपनी अटेंडेन्स बनाई। उसके बाद 9 बजे हमलोग कुतुबमीनार देखने गए।

कुतुबमीनार भारत में दक्षिण दिल्ली शहर मे महरौली भाग में स्थित है। यह ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊँची मीनार है। इसकी ऊँचाई 72.5 मीटर (237.86 फीट) और व्यास 14.3 मीटर है जो ऊपर जाकर शिखर पर 2.75 मीटर (9.02 फीट) हो जाता है। इसमें 379 सीढ़िया है। मीनार के चारो ओर बने अहाते में भारतीय कला के कई उत्कृष्ट नमूने है जिनमे से अनेक इसके निर्माण काल सन् 1192 के है। यह परिसर युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के रूप में स्वीकृत किया गया है।

इसका निर्माण सन् 1192 ई० में दिल्ली के प्रथम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

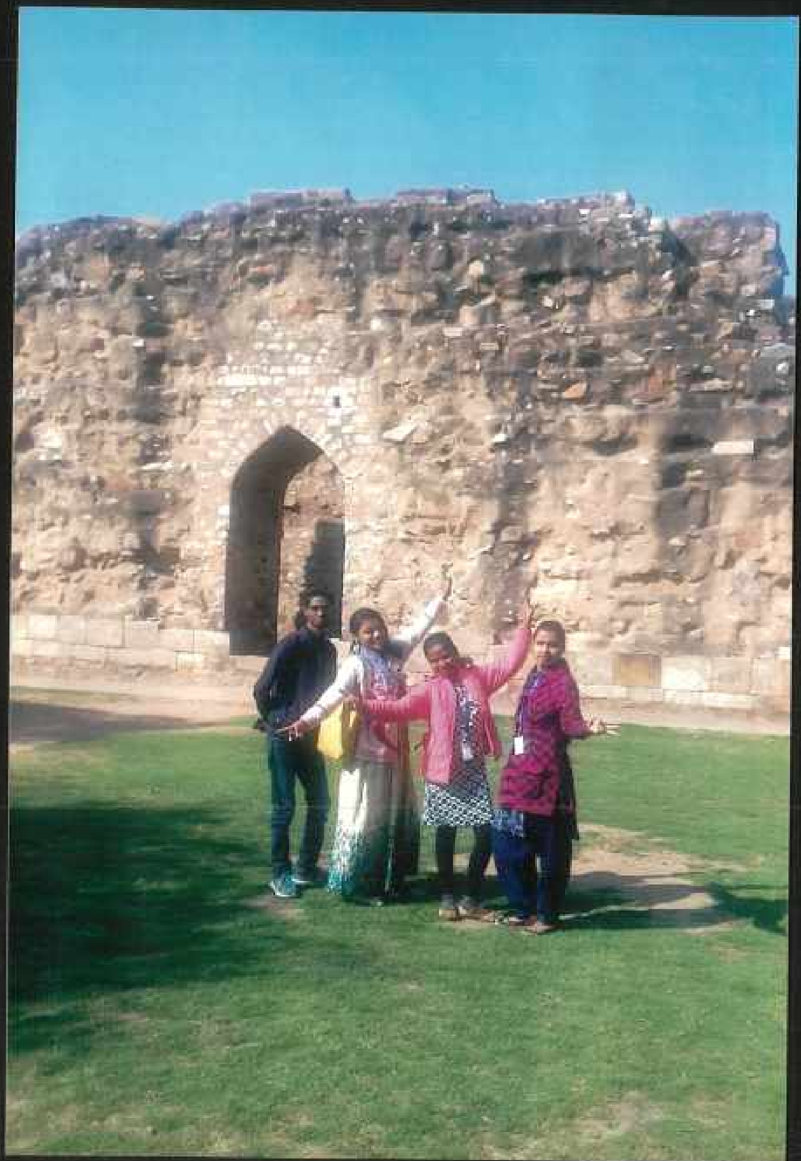

ने इस्लाम फैलाने के लिए वेदशाला को तोड़कर कुतुब मीनार का पुनर्निर्माण करवाया।

कुतुब मीनार घूमने के पश्चात हमसभी लोग नास्ता किये फिर हमारे गाईड ने हमे शॉपिंग के लिए सरोजनी नगर मार्केट लेकर गए। वहाँ सभी लोगो ने तरह-तरह की खरीदारी की। इसके तुरंत बाद हमलोगों को लगभग 2 बजे दिल्ली रेलवे स्टेशन ले जाया गया।

लगभग 2:30 बजे हमारी ट्रेन गरीब रथ आ गई और सभी लोग अपने-अपने निर्धारित स्थान पर सामानों के साथ बैठ गए। बैठने के तुरंत बाद सभी लोगों को दोपहर का भोजन दिया गया। खाने के बाद सभी लोग आपस में हँसते-खेलते, बात करते घर वापसी का मजा लेने लगे।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

निष्कर्ष

शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य ही है ज्ञान प्राप्त करना। वास्तव में हमलोग शैक्षिक भ्रमण के द्वारा बहुत से जानकारी प्राप्त किये। सबसे अच्छी बात तो हमलोग आपसी सहयोग करना सीखे जब हमलोग यात्रा आरंभ किये तो उसी समय से जिन लोगों के संपर्क में रहे तो उसी समय से सभी लोगों के प्रति हमारा व्यवहार भी बदल गया। हमलोग आपस में मिलकर सभी समस्याओ को सुलझाने लगे।

इस प्रकार मैं यह कह सकती हूँ कि इस तरह के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के बहुत लाभकारी है।

अतः कहा जा सकता है कि शैक्षिक परिभ्रमण के बगैर विषयों का अध्ययन अधूरा ही रह जाता है। इस लिए विभिन्न विषयो में प्रत्येक को शैक्षणिक भ्रमण होना चाहिए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi